परमेश्वर को जानने के लिये मूसा ने अपने लोगों की सहायता की

एक सर्वोच्च परमेश्वर विषय भययुक्त और आनन्दमय सत्य

वे जो बच्चों को सिखाते हैं उन्हें अध्ययन डी 4 बी पढ़ना चाहिये

यदि आपने अभी तक पी जी अध्ययन नोविस शेपई प्रशिक्षकों के लिये मार्ग दर्शिका नहीं पढ़ी है तो अभी उसे पढ़ लें।

प्रार्थना: "सर्वशक्तिमान दयालु परमेश्वर आपके लोगों को सिखाने में सहायता कर कि आप किस प्रकार है उन्हें ये बाताकर कि आपने आपने को मनुष्यों पर मूसा के माध्य से कैसे प्रगट किया"।

यूहन्ना 1:17 "व्यवस्था मूसा के द्वारा दी गई, दया और अनुग्रह यीशु की दृष्टि से द्वारा आया" उन चीज़ों को चुने जो वर्तमान की आवश्यकता को पूरी करती और जिसके लिये आपके पास समय है।

1. ये सीखने के लिये कि किस प्रकार परमेश्वर ने अपने आप को अपने लोगों इस्राएल पर प्रगट किया अपने दिमाग और हृदय को तैयार करो।

- लगभग 4000वर्ष पहले परमेश्वर ने अब्रहाम की सन्तान को चुना कि वे उसके पवित्र लोग हों इस्राएल को।
- लगभग 500 वर्ष बाद परमेश्वर ने आश्चर्य जनक रूप से इस्राएलियों को मिस्त्र के दासत्व से स्वतंत्र दिया और मूसा के द्वारा पुराने नियम की व्यवस्था की वाचा को स्थापित किया। उन्होंने एक पवित्र सर्वशक्तिमान परमेश्वर का भय मानना और आज्ञा पालन करना सीखा। उनके अनुभव हमारे लिये आज उदाहरण है। (1 कुरिन्थियों 10:6)
- करीब 2000 वर्ष पहले परमेश्वर ने व्यवस्था की पुरानी वाचा को जब यीशु मरा और पुन: जी उठा तब अनुग्रह की नई वाचा से बदल दिया।
- निर्गमन 1 में देखें कि मिस्त्र का राजा इस्राइलियों से क्यों डरा और उनकी गिनती सीमित रखने की योजना बनाई। (बाद में उस प्रकार से हेरोद राजा ने नये जन्में यीशु को नष्ट करने के प्रयास में बैतलेहेम में बालकों को मरवा डाला।
- निर्गमन 2 में देखें कि किस प्रकार परमेश्वर ने बालक मूसा को मृत्यु से बचाया, और जब मूसा अपने मानवी प्रयासों से अपने लोगों को बचाने का प्रयास करने लगा तब क्या हुआ।
- निर्गमन 3 में देखें कि अनन्त परमेश्वर ने मूसा को क्या करने को भेजा और कि पवित्र परमेश्वर का क्या नाम है।

बयान करने की तैयारी करें कि क्यों हम मसीही लोग भाग्यवान का तिरस्कार करते हैं, क्रूर शैतानी विचार कि देवता या सितारे हमारी मंजिल को पहले ही से जानते हैं और हम अपनी गरीबी पीड़ा और असफलता के भाग्य को नहीं बदल सकते। अन्त "मैं जोहूँ" समय के बाहर जीवित है; उसने समय बनाया और वह उसके ऊपर राज्य नहीं करता। यीशु ने कहा, "समय आता है" (मानव दृष्टी कोण) "और अभी है" (परमेश्वर का दृष्टी कोण) जब वह मृतकों को जिला उठायेगा या न्याय के लिये (यूहन्ना 5:28-29) उसने कहा, "अब्राहम से पहले" मैं हूँ (यूहन्ना 8:58) वह दोनो समय हर जगह है। परमेश्वर देखता है कि हम भविष्य में क्या करेंगे, पर वह हमें हमेशा करने का कारण नहीं बनता। उसकी पहले से जान हमारी आज़ादी को निरस्त नहीं करता कि जीवन बदलने को निर्णय हम लें। यीशु ने कहा, "सत्य तुमको स्वतंत्र

करेगा" (यूहन्ना 8:32) अपने लोगों को इस भाग्यवाद की जंजीरो से स्वतंत्र करो। परमेश्वर हमें जानता है, हमसे प्रेम करता है और हमारी सुनता है। वह उन तरीकों में हस्तक्षेप करेगा जो हमारे लिये भलाई और उसके लिये आदर लायेगा। उत्पति 1 प्रगट करता है कि हमारे पूर्वज मानव थे कभी देवता या आत्मा नहीं थे, और कि परमेश्वर ने सितारों को समय और मौसम चिन्हित करने के लिये बनाया, हमारे मंजिलों को निर्यंत्रित करने के लिये नहीं।

ये बयान करने की तैयारी करें कि हम क्यों दुष्ट आत्माओं की शक्ति से स्वतंत्र है। मूसा को इस योग्य किया कि विपत्तियां लाये जो मिस्त्र के झूठे देवताओं के ऊपर परमेश्वर की सामर्थ को प्रगट किया (निर्गमन 7-11 अध्याय) मिस्त्री विश्वास करते थे कि उनकी महान नीला नदी के पास दैविक शक्ति है। इसलिये परमेश्वर ने उसके पानी को लहू बना दिया! उन्होंने सूर्य की पूजा की, इसलिये परमेश्वर ने उसे अन्धकार कर दिया। उन्होंने जानवरों की पूजा की इसलिये परमेश्वर ने गायों, कुटकियों मक्खियों और मेंढकों को उन्हें पीड़ा देने के लियेइ स्तेमाल किया। यीशु ने जो एक सर्वशक्तिशाली परमेश्वर कहों कि अपने झुण्ड को झूठी आत्माओं के भय से मुक्त कर!

वर्णन करने की तैयारी करें कि किस प्रकार मूसा की पाँचों पुस्तकों ने बाकी बाइबल की नींव रखी:

- उत्पति प्रगट करती है कि किस प्रकार परमेश्वर ने शून्य से सबकुछ रचा और किस प्रकार शैतान ने मानव को नष्ट करने संसार को भ्रष्ट करने, पीड़ा देने, न्याय और मृत्यु देने के लिये परीक्षा में डाला।
- निर्गमन प्रगट करता है कि सर्वशक्तिमान पवित्र परमेश्वर सब आत्माओं से सर्वोच्च है। परमेश्वर ने अपने लोगों को प्राचीन व्यवस्था दस आज्ञाओं के साथ दी।
- लैव्यव्यवस्था प्रगट करती है कि किस प्रकार परमेश्वर ने लोगों के पापों को रक्त के बलिदान से क्षमा किया।
- गिनती प्रगट करती है कि किस प्रकार लोग परमेश्वर की आज्ञा पालन करने में विफल रहे इस प्रकार परमेश्वर ने उस वंश को प्रतिक्षा किये देश में प्रवेश नहीं होने दिया।
- व्यवस्था विवरण प्रगट करती है कि परमेश्वर पाप को दण्ड देता और आज्ञाकारिता को आशीषित करता है।
- वे प्राचीन व्यवस्था और घटनाएं हमें नये नियम की महान सच्चाइयों को समझने योग्य बनाती है।
- यीशु की मृत्यु और पुनरूत्थान के द्वारा पश्चत्तापी विश्वाससियों को क्षमा और अनन्त जीवन मिलता है।
- यीशु ने पिता से पवित्र आत्मा भेजने को कहा कि हम में है और हमें परमेश्वर की आज्ञा मानने की शक्ति दे।
- सभी विश्वासी परमेश्वर से वरदान पाते हैं विभिन्न तरीकों से कि एक दूसरे की सेवा मसीह की देह में कर सकें।
- यीशु मृतकों को जिलाने बिना पश्चात्तापी को दण्ड देने और बदले हुए विश्वासी देहों की महिमा में लेने

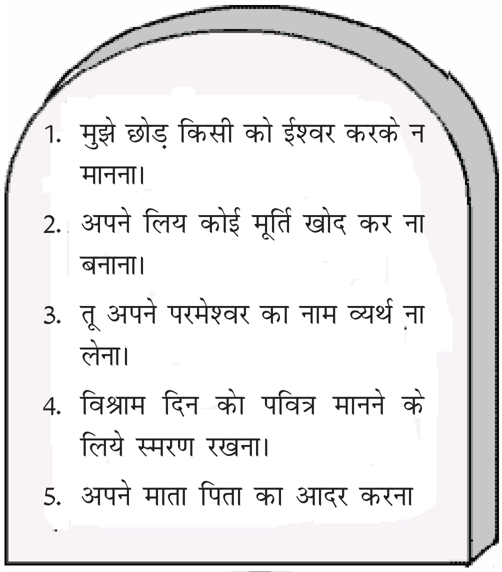

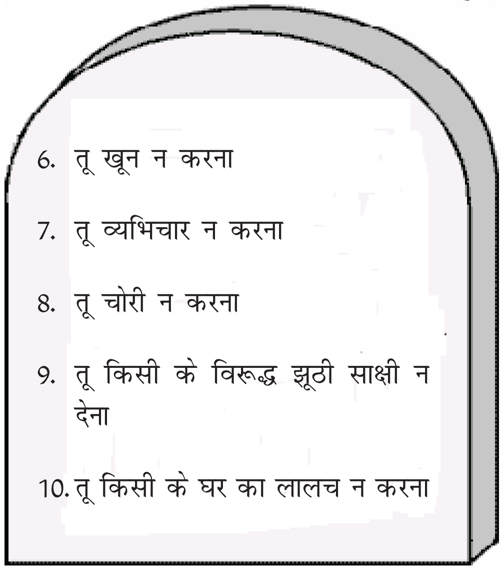

वापस आ रहा है कि वे उसे आमने सामने देख सकें और अनन्त मे सर्वदा आनन्द और उसकी महिमा कर सकें।

2. सप्ताह के बीच करने वाली इन गतिविधियों की योजना अपने सह-कर्मियों के साथ बनायें।

वे विश्वासी जो ऊपर दी गई आधारभूत शिक्षाओं को गलत समझते हैं, उनसे भेंट कर समझायें और प्रार्थना करें।

यदि झुण्ड के अगुवे जिन्हें आप प्रशिक्षित करते हो इन निर्देशों को चाहते हैं तो तैयार करने में उनकी सहायता करें।

3. अगली आराधना के समय की योजना अपने सह- कर्मियों के साथ बनायें।

वर्णन करें कि किस प्रकार परमेश्वर ने मूसा को तैयार किया कि प्राचीन इस्राएलियों को सामाजिक बन्धनो से स्वतंत्र कराये।

- पूछो और वार्ता करो कि मिस्त्र के राजा ने क्या किया, ठीक वही जो राजा हेरोद ने बेतलेहेम में लड़कों को मरवा डाला।
- विश्वासियों से कहें कि वर्णन करें कि कैसे परमेश्वर ने मूसा को बचाया, और कैसे मूसा ने अपने प्रयासों से अपने लोगों को बचाने की कोशिश की।

बयान करें कि हम क्यों भाग्य वाद का तिरस्कार करते हैं और हम क्यों दुष्ट आत्माओं की शक्ति से आज़ाद हैं (ऊपर भाग1)

पूछो और वार्ता करो कि कैसे परमेश्वर का पवित्र नाम "मैं हूँ" उसके अनन्त होने में प्रगट करता है।

पूछें और वार्ता करे कि क्यों परमेश्वर को भविष्य का ज्ञान है जब कि वह समय के बाहर रहता है हमारी चुनाव की स्वतंत्रता को नष्ट करता है (वह देखता है पर हमारे भविष्य के निर्णय को कुछ हस्तक्षेप नहीं करता)

पूछें और वार्ता करें कि यीशु ने जो कहा, कि सत्य तुम्हें स्वतंत्र करेगा उसका क्या अर्थ है।

वर्णन करें कि कैसे जाने कि मूसा के द्वारा जो पाँच पुस्तकें लिखी गई वे यीशु के विषय सत्य जानने में सहायता करेंगी।

बच्चों ने जो तैयार किया उन्हें प्रस्तुत करने दें।

विश्वासियों को गवाही देने दें कि किस तरह से मसीह ने इस भाग्यवाद के अपंश करने वाले विचार से स्वतंत्र किया है और कि झूठे देवताओं और दुष्ट आत्माओं के दासत्व से स्वतंत्र किया है।

प्रभु भोज को लागू करने के लिये पढ़िये निर्गमन 7:17 वर्णन करें कि मूसा का पहला आश्चर्य कर्म पानी को लहू बनाना था एक श्राप जो पुरानी वाचा का विचित्र था उसकी व्यवस्था के अधीन लोगों ने आज्ञा पालन किया या मर गये, क्योंकि व्यवस्था के शब्द मार डालते हैं (2 कुन्थियों 3:6) इसके विपरीत यीशु का पहला आश्चर्य कर्म पानी से दाखरस बनाना था लोगों को आशीष देना (यूहन्ना 2:1-11) यीशु ने प्रभु भोज के प्याले के लिये कहा, "ये मेरे खून में नई वाचा है"। (लूका 22:20)

दो या तीन के झुण्ड से, एक दूसरे के लिये प्रार्थना करायें और आधारभूत सत्य को जो यीशु के विषय मित्रों को सिखाने की योजना बनायें।

1 कुरिन्थियों 10:5-6 साथ साथ कंठस्त करें।